SHRI G. S. REDDI : What are the places in the country where this sulphur water is available?

श्री राज नारायण : श्रीमन्, मैंने अपने पहले ही उत्तर में बता दिया था कि कसोर, मनिखण, सोलन में अन्वेषण कराया जा रहा है । इसी प्रकार से बिहार में सीताकुण्ड, और राजगृह के गर्म पानी के स्रोतों का भी विकास किया जा रहा है जहां कि हमारे भारतीय गणराज्य के प्रथम राष्ट्रपति पूज्य राजेन्द्र बाबू ने स्नान किया था । इसी तरह से बद्रीनाथ में भी गर्म पानी का कुण्ड है और जो लोग बद्रीनाथ जाते हैं वे उसमें स्नान करते हैं और सब पापों को धो कर के वहां से आते हैं । आप कृपा करके हमें जानकारी कराइये कि हिन्दुस्तान में जहां जहां भी, जिस जिस जिले में, किस किस इलाके में, किस किस थाने में ये कुण्ड हैं, हमारा मंत्रालय उनका अन्वेषण कर विकास करेगा ।

SHRI VAYALAR RAVI : Varkala in Kerala.

श्री विजय सिंह नाहर : क्या माननीय मंत्री महोदय बतायेंगे कि रांची के पास राजगृह में और पश्चिम-बंगाल में शांतिनिकेतन के पास बकरेश्वर में जो गर्म पानी के स्रोत हैं, उनका भी विकास करने का प्रबन्ध किया जाएगा ?

श्री राज नारायण : मैं माननीय सदस्य का अनुगृहीत हूं कि उन्होंने बंगाल में कबरेश्वर का प्रश्न उठाया है । उसका भी निरीक्षण करा लिया जाएगा और उसके विकास के लिए जो कुछ भी करना है सरकार करेगी । मैं चाहता हूं कि माननीय सदस्य वह सब लिख कर भेजें दें और बंगाल सरकार से भी लिखवा करके भिजवा दें ।

Incidence of Malaria in the Country

†

*335. SHRI BALDEV SINGH JASROTIA :

SHRI B. RACHAIAH :

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to lay a statement showing :

(a) the number of Malaria cases reported during the last one year in the country, State-wise ; and

(b) the amount spent State-wise for the anti-Malaria campaign?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री राजनारायण) : (क) और (ख). दो विवरण सभा पटल पर रखे हैं ग्रन्थालय में रखे गए । देखिए संख्या एल-टी 1297/77] पहले में राज्यवार 1976 और 1977 के दौरान अब तक के मलेरिया के पोजिटिव रोगियों की संख्या है और दूसरे में 1976–77 के दौरान मलेरिया विरोधी अभियान पर हुआ व्यय तथा 1977–78 के लिए आबंटित धन राशि का राज्यवार ब्यौरा दिया गया है ।

श्री बलदेव सिंह जसरोतिया : मैं जानना चाहता हूं कि पिछले सालों के मुकाबले में अब मलेरिया बढ़ रहा है या कम हो रहा हैं ? सरकार इसकी रोकथाम करने के क्या उपाय करने जा रही है ?

श्री राज नारायण : यह सही है कि 1965 में भारतवर्ष में मलेरिया का उन्मूलन हो गया था और एक भी मृत्यु नहीं हुई थी । लेकिन 1966 से मलेरिया की वृद्धि शुरू हो गई । आप जानते ही हैं कि 1966 के साल में ही श्रीमती इंदिरा गांधी प्रधान मंत्री पद पर आई थीं । साल-ब-साल रोगियों की तथा मृतकों की संख्या बढ़ती गई । इसका सब से बड़ा कारण यह रहा कि इंदिरा

सरकार ने जबर्दस्ती नसबन्दी की योजना चलाई और सभी सरकारी साधनों को खींच करके, बटोर करके जबर्दस्ती नसबन्दी में लगा दिया गया मच्छर मारने वाली दवाइयों का जी छिड़काव करना होता है वह बिल्कुल बन्द हो गया और इस कारण से मलेरिया ने पुनः जन्म ले लिया और कीटाणु इस हद तक पैदा हो गए, इतने शक्तिशाली हो गए कि उसके लिए वर्तमान सरकार को बड़ी मुसीबत का सामना करना पड़ा और बड़े साधन जुटाने पड़े । इस वक्त अभी तक पिछले बरस से मलेरिया के केसिस सात परसेंट कम हैं । इस वक्त भी 1977 में आप देखें कि मार्च में हम आए थे और तीन महीने आप निकाल दें और यह जो महीना चल रहा है इस एक महीने को आप निकाल दें, चार महीने निकाल दें तो भी सात परसेंट अब भी कम हुए हैं और साल होते होते हम समझते हैं कि करीब करीब दस परसट कम हो जाएगें । एक हमारे माननीय मंत्री जी कहते हैं कि कीटाणुओं की भी नसबन्दी होनी चाहिए कीटाणुओं की नसबन्दी जनता सरकार नहीं कराएगी, वह इनका शमन करेगी । उनको खत्म करेगी । नसबन्दी करने का काम तो भूतपूर्व कांग्रेस सरकार का था जो अब कभी आने वाली नहीं है ।

डा० कर्ण सिंह : अध्यक्ष जी, माननीय राजनारायण जी ने जो आंकड़े दिये हैं उसमें दिल्ली के जो आंकड़े हैं उसकी ओर मैं विशेष रूप से राजनारायण जी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं । दिल्ली में जहां कि जनता पार्टी की कार्य अध्यक्षता यहां रहती है, देश की राजधानी है, आप कह रहे हैं कि 1976 में सारे वर्ष में 49 हजार केसेज मलेरिया के हुए थे । इस वर्ष 1977 में जब से राजनारायण जी का आगमन हुआ उस समय से 9 महीने के अन्दर 1 लाख और 68 हजार केसेज हो चुके हैं, और अभी 3 महीने बाकी हैं, तो 2 लाख केसेज दिल्ली में होने जा रहे हैं इस साल । मैं पूछना चाहता हूं कि यह जो आरोप लगा रहेहैं पुरानी सरकार पर इनका जहां मंत्रालय है वहां तो 50 हजार से बढ़ कर 2 लाख केसेज हो गये हैं । तो क्या राजनारायण जी यहां जो आये तो अपने साथ सारे मच्छरों को अपने चुनाव हल्के से यहां ले आये ?

श्री राज नारायण : माननीय कर्ण सिंह जी ने जो सवाल पूछा है उसके लिए मैं उसको बधाई देता हूं । वह भूतपूर्व मंत्री भी रहे हैं और इस समय हमारी दृष्टि में उनकी इज्जत और बढ़ गई है जब कि उन्होंने यह दहाड़ दी कि अगर 2, 4, 6 लौंडे लपाड़ी यहां ला कर के पोलिटिक्स की सड़क पर उतारा जा सकता है तो जम्मू से मैं भी 2 हजार ला सकता हूं । उस दिन से उनकी इज्जत हमारी दृष्टि में बहुत बढ़ गई है । इसलिए उनका समुचित उत्तर देना मेरे लिए बहुत आवश्यक है ।

दिल्ली देश की राजधानी है । अब माननीय कर्ण सिंह से मैं यह जानना चाहता हूं कि आपके द्वारा कि दिल्ली में कांग्रेस पार्टी के लोग विभिन्न कोनों से राष्ट्र के कितनी बार आये, कितने दस्तखत कराये, वही मलेरिया ले कर आये । ए० आई० सी० सी० की कितनी बठकें हुई हैं? आप इसको मजाक में न लें । जिन राज्यों में मलेरिया है वहां से लोग जब यहां अधिक तादाद में आते हैं तो अपने साथ मलेरिया के कीटाणु ले कर आते हैं ।

दूसरी बात यह है कि इस साल दिल्ली में बाढ़ बहुत आई । उस बाढ़ के कारण भी कुछ यहां पर मलेरिया के मच्छरों में वृद्धि हुई है । मगर एक बात से सदन भ्रम में पड़ गया, जिसे मैं दूर करना चाहता हूं । माननीय सदस्य ने कुछ आंकड़े पढ़

दिये इसलिए मैं आपकी विशष आज्ञा से दो मिनट में पूरे आंकड़े पढ़ना चाहता हूं । 1965 में रोगी 1 लाख 185, मौत एक भी नहीं । 1966 में रोगी 1 लाख 48,1561 । 1967 में 2 लाख 78 हजार । 1968 में 2 लाख 74 हजार । 1969 में 3 लाख 48 हजार । 1970 में 6 लाख 94 हजार । 1971 में 13 लाख, हजार मैं छोड़ रहा हूं । 1972 में 14 लाख, 1973 में 19 लाख, हजार छोड़ रहा हूं । 1974 में 31 लाख । 1975 में 51 लाख और 1976 में 64 लाख, हजार छोड़ रहा हूं, । 64 लाख सारे देश का, जरा कान खोल कर के उत्तर को सुनें । अब डा० कर्ण सिंह जी संतुष्ट हो गये । धन्यवाद ।

many a time but malaria is such a serious thing that it gives a lot of suffering. Specially in Delhi, all those who are associated with the life of Delhi will agree that in the last 25 years, this is the first year that half of Delhi was in floods. The Janakpuri and many other areas were under water for months together. A lot of low lying areas are still full of stagnant water. They are the places which breed mosquitoes. Is the Government seriously taking any steps to see that those places where mosquitoes breed, are properly dealt with? There is a complaint that DDT and other insecticides which used to kill mosquitoes are not effective to kill mosquitoes. These are adulterated and are not beig used effectively. It is one thing to enjoy the hon. Minister's answer and it is another thing to be bitten by mosquiotoes. The mosquitoes suck our blood. I would request the hon. Minister to take it seriously the problem of breeding mosquitoes at least in Delhi where the colonies were under water for nearly two to three months. Has the Government taken any special action to stop breeding of mosquitoes in those areas?

श्री छबीराम अगंल : क्या मंत्री महोदय को इस बात की जानकारी है कि डी० डी० टी० का मच्छरों पर कोई प्रभाव नहीं होता है, जिस के कारण मलेरिया, फुलू और डेंगू बुखार बढ़ रहे हैं, और हमारे सामने जो मित्र बैठे हैं, वे उन से ज्यादा प्रभावित हुए हैं; यदि हां, तो क्या मंत्री महोदय डी० डी० टी० की जगह किसी ऐसी पावरफुल दवा का आविष्कार और प्रयोग करवायेंगे, जिस से ये बीमारियां समाप्त हो सकें ?

श्री राज नारायण : माननीय सदस्य का यह कथन सत्य है कि बहुत से मलेरिया के कीटाणुओं पर डी० डी० टी० का छिड़काव काम नहीं कर रहा है । अब उस की जगह हमने और दवाओं का इस्तेमाल किया हैं । एक दवा हमने इस्तेमाल की है बी० एच० सी० । वह काफ़ी कारगर हो रही है । . . (**व्यवधान**) माननीय सदस्य पूछ रहे हैं कि इस दवा का पूरा नाम क्या होता है । इसे ब०ह०स० कह सकते हैं ।

SHRI M.V. KRISHNAPPA : We enjoy the answer of the Health Minister

श्री राज नारायण : मैं माननीय सदस्य को जानकारी के लिए यह निवेदन करना चाहता हूं कि जनता को मलेरिया से मुक्त करने के लिए सरकार कई तरीके अपना रही है । जहां जहाँ पानी जमा है, वहां वहां पर हम एक तेल का छिड़काव कर रहे हैं, जिस से लार्वी खत्म होते हैं । अभी मैं ने एक दवा का नाम बताया था— बी० एच० सी०, जिस का पूरा नाम है बैनज़ोन हाइड्रो क्लोराइड । इस का भी हम काफी मात्रा में छिड़काव कर रहे हैं । डी० डी० टी० का भी काफी मात्रा में छिड़काव कर रहे है । यह मुबारक हो खुदा को कि जनता पार्टी की सरकार आ गई । अगर जनता पार्टी की सरकार न आई होती तो शायद दिल्ली में हजारों हजार मौतें अब तक हो चुकी होतीं । मगर इतना प्राम्प्ट ऐक्शन लिया सरकार ने कि जितनी शक्ति थी पूरी शक्ति को लगा कर दिल्ली से मलेरिया को हटाने की कोशिश की । इसलिए खुदा को मुबारक और देश की जनता को मुबारक कि उसने जनता पार्टी की सरकार श्री मोरार जी देसाई के नेतृत्व में बनवा दी ।